भगवत्पतञ्जलि-विरचित

व्याकरण-महाभाष्य

(प्रथम नवाह्निक)

हिन्दी अनुवाद तथा विवरण सहित

अनुवादक एवं विवरणकार

चारुदेव शास्त्री

एम०ए०, एम०ओ०एल०

मोतीलाल बनारसीदास

दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता,

बंगलूरू, वाराणसी, पटना

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ
अथ शब्दानुशासनम्	१
द्वितीय आह्निक का संक्षिप्त सार	५२
अथ द्वितीयमाह्निकम्	५३
तृतीय आह्निक का संक्षिप्त सार	१२०
अथ तृतीयमाह्निकम्	१२१
चतुर्थ आह्निक में प्रतिपादित विषय का संक्षिप्त सार	१६९
अथ चतुर्थमाह्निकम्	१७२
पञ्चम आह्निक के प्रतिपाद्य विषय का संक्षिप्त सार	२३४
अथ पञ्चमाह्निकम्	२३७
षष्ठ आह्निक में प्रतिंपाद्य विषय का संक्षिप्त सार	३०८
अथ षष्ठमाह्निकम्	३११
सप्तम आह्निक में प्रतिपादित विषय का संक्षिप्त सार	४१४
अथ सप्तममाह्निकम्	४१७
अष्टम आह्निक में प्रतिपादित विषय का संक्षिप्त सार	४९४
अथ अष्टममाह्निकम्	४९७
नवम आह्निक में प्रतिपादित विषय का संक्षिप्त सार	६१३
अथ नवममाह्निकम्	६१६